Dr. Honey Sinha
(Assistant professor)
Dept. of Commerce
B. Com Part - Ist
Sub: Financial Accounting
Paper - Ist
SNSRKS COLLEGE SAHARSA

// Introduction :- Meaning of Instalment Payment System and Entries under Instalment Payment System. (किस्त भुगतान पद्धति का परिभाषा और किस्त भुगतान पद्धति के अन्तर्गत लेखा)

* किस्त भुगतान पद्धति (Instalment Payment System)

माल बेचने की एक अन्य पद्धति है जो किराया क्रय पद्धति से मिलती - जुलती है। इस पद्धति मे क्रेता को माल की पूरी रकम का भुगतान एक साथ नही करना पड़ता है, वरन किस्तो द्वारा करना परता है, किन्तु माल का स्वामित्व क्रेता पर तुरंत हस्तान्तरित हो जाता है। दूसरे शब्दो मे यह कहा जा सकता कि इस पद्धति के अनुसार क्रेता को क्रय किये गये वस्तुओं के मूल्य का भुगतान उसकी सुविधा के अनुसार करने का अधिकार दिया जाता है।

विभिन्न विद्वानो ने इसकी परिभाषा विभिन्न प्रकार से दी है जिनमे निम्नलिखित प्रमुख है —

* जी० आर० बॉटलीबॉय (J. R. Batliboi) के अनुसार किस्त भुगतान पद्धति के अन्तर्गत माल क्रय किये जाने मे माल क्रेता की सम्पत्ति उसी समय हो

जाती है जबकि उसे माल की सुपुर्दगी मिलती है।" (Under instalment system of payment the goods become the property of the purchaser immediately by receiving delivery of the goods).

इसी प्रकार श्री कार्टर (Carter) के अनुसार "किस्त भुगतान पद्धति के अन्तर्गत माल का स्वामित्व तुरन्त क्रेता को हस्तांतरित हो जाता है अथवा माल पर उसका वास्तविक स्वामित्व हो जाता है। यद्यपि उसे उसपर भुगतान कई वर्षों में करना पड़ता है। अगर क्रेता द्वारा किसी किस्त का भुगतान नहीं किया जाता तो विक्रेता माल को वापस नहीं ले सकता है केवल बाकी रकम के लिए दावा कर सकता है।" (Under the instalment Payment System of Purchase however, the ownership in the goods passes at once to the buyer. He actually owns the goods, although payment for them is to be spread over a series of years. If default is made in payment the seller can not re-take possession of the goods. he can only sue for the balance of the debts.)

इस प्रकार उपयुक्त विवेचन से यह स्पष्ट होता कि "किस्त भुगतान पद्धति बिक्री की एक ऐसी पद्धति है जिसमें सम्पत्ति का स्वामित्व बिक्री के

(3)

समय ही क्रेता पर हस्तान्तरित हो जाता है और बिक्री की राशि का भुगतान किस्तों मे होता है। किसी भी किस्त के भुगतान नही होने पर विक्रेता माल को वापस नही ले सकता है। वह केवल बाकी रकम के लिए दावा कर सकता है।

किस्त भुगतान पद्धति के अन्तर्गत लेखा (Entries under Instalment Payment System.)

किस्त भुगता पद्धति का लेखा दो जगह किया जाता है —

(1) क्रेता की पुस्तक में लेखा (Entries in Purchaser Book):—
किस्त भुगतान पद्धति के अन्तर्गत वस्तु क्रय करने वाले (क्रेता) के यहाँ निम्नलिखित लेखा किया जाता है —

(i) वस्तु की सुपुर्दगी पर :- किस्त भुगतान पद्धति के अन्तर्गत जब प्रसंविदा किया जाता है और माल की सुपुर्दगी जब होती है तब सम्पति खाता और ब्याज खाता डेबिट और विक्रेता का खाता क्रेडित किया जाता है।

Assets Account ———————— Dr.
Interest Account ———————— Dr.
To vender's Account.

(4)

(2) किस्त का भुगतान करने पर :-
जब किस्त का नकद भुगतान किया जाता है-
vendor's Account ———— Dr.
To Bank A/c
(Being the payment of cash to the seller on delivery.)

(3) आगामी प्रत्येक किस्त के देय होने पर :-
Interest Account ———— Dr.
To Intersest Suspense Account
(Being the transfer of interest falling due).

(4) देय किस्त के भुगतान करने पर :-
vendor's Account ———— Dr.
To Bank account.
(Being charging of Depreciation at the rate of.)

(5) ह्रास का लेखा :-
Depreciation Account ———— Dr.
To Assests Account
(Being charing of Depreciation at the rate of)

(6) ह्रास और ब्याज खाता बन्द करने पर :-

(5)

ह्रास और ब्याज खाते को बन्द करने पर निम्न लेखा किया जाता है —

Profit and Loss Account ——————— Dr.
To Interest Account
To depreciation Account

(Being the transfer of Balance of Interest and depreciation account to profit and Loss Account).

(2) विक्रेता की पुस्तकों में लेखा
Entries in Vendor's Books.

किस्त भुगतान पद्धति के अन्तर्गत विक्रेता की भी पुस्तक में निम्न लेखा किया जाता है —

(1) बिक्री के समय :—
जब इस पद्धति के अन्तर्गत माल बेचा जाता है तब निम्न लेखा किया जाता है।

Purchaser's Account ——————— Dr.
To Sales Account
To Interest Suspense Account

(Being the sale of goods on instalment System Interest calculated.)

(6)

(2) बिक्री के समय प्राप्त रोकड़ के लिए :-

Bank Account ——————— Dr.
(Being the cash received on delivery of the goods.)

(3) आगामी प्रत्येक किस्त के देय होने पर :-

Interest Suspense Account ——— Dr.
To interest Account.
(Being the amount of Interest due)

(4) देय किस्त के भुगतान पर :-

Bank Account ——————— Dr.
To purchaser's Account
(Being the Instalment received.)

(5) ब्याज खाते को बन्द करने पर :

Interest Account ——————— Dr.
To profit and Loss Account
(Being the transfer of balance from interest Account to profit and loss account).

(6) विक्रय खाते को बन्द करने पर :

Sale Account ———————— Dr.
To Trading Account

(Being the transfer of balance to trading Account.)

The end

Dr. Honey Sinha
Assistant professor
Dept. of Commerce
SNSRKS College
Saharsa